राज्यों में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों को मान्यता दिए जाने में विसंगति

1996. **श्रीमती सत्या बहिन** : क्या **कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन जातियों और जनजातियों के नाम क्या हैं जिन्हें एक राज्य में तो अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के रूप में मान्यता प्राप्त है, परन्तु अन्य राज्यों में उन्हें ऐसी मान्यता नहीं दी गई है ; और

(ख) क्या सरकार अनुसूचित जातियो और अनुसूचित जन-जातियों को मान्यता दिए जाने के मामले में एक रूपता लाने के लिये निकट भविष्य में एक सर्वेक्षण करने का विचार रखती है और यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

श्रम एवं कल्याण मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : (क) यह सूचना विधि तथा न्याय मंत्रालय द्वारा प्रकाशित चुनाव विधि नियमावली के नवीनतम संस्करण में दी गई है । अनुवर्ती परिवर्धन इस प्रकार है :—

(i) मेघालय में अनुसूचित जनजाति की सूची में निम्नलिखित तीन समुदायों को शामिल करना :

1. बोरो कचारी
2. कोच
3. राबा, रावा

(ii) जम्मू तथा कश्मीर राज्य में आठ समुदायों को अनुसूचित जनजाति घोषित करना :—

1. बाल्टी, 2. बेडा, 3. बोट, बोटो 4. ब्रोपका, ड्रोपका, डर्ड, शिन, 5. चंगपा, 6. गारा 7. मोन् 8. पुरीगपा

(iii) नवीनतम "संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1990 के अनुसार अनुसूचित जातियों का विनिर्दिष्ट करने वाले आज तक जारी सभी राष्ट्रपति आदेशों में "हिन्दू)" अथवा "सिक्ख" शब्द के बाद "बौद्ध" शब्द जोड़ा गया हैं ।

(ख) ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है ।

Manufacture of 12 horse power tractors

1997. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI KAPIL VERMA:
SHRI BHUVNESH CHATURVEDI:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the former Deputy Prime Minister initiated a proposal for mass production of a small 12 horse power tractor on Chinese model which he had seen in China and also to import 5000 such tractors in the country;

(b) if so, what action Government have taken thereon; and

(c) whether it is also a fact that Ministry of Finance is not agreeable to the proposal?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI NITISH KUMAR): (a) No, Sir. There is no proposal for mass production or import of small tractors. However, some Indian manufacturers have the capacity to make such small tractors.

(b) and (c) In view of the reply to Part (a), the Question does not arise.

Revision of procurement policy

1998. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether new procurement policy announced on the 18th July, 1990 is likely to be revised in the light of

reservations expressed by the Agricultural Cost and Prices Commission over the norms followed to calculate support prices;

(b) if so, what are the main observations made in this regard; and

(c) by when the procurement price policy is likely to be revised ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI NITISH KUMAR): (a) to (c) As at present the procurement/ minimum support prices for Kharif crops of 1990-91, announced by the Government on 16-6-1990 will need revision only if the rise in input costs during the cropping season turns out to be higher than the anticipated rise.

The non-price recommendations contained in the Report of the Commission for Agricultural Costs and Prices for Kharif crops of 1990-91 are under consideration.

Recommendations of Bhanu Pratap Committee regarding Food Corporation of India

1999. SHRI MENTAY PADMANABHAM: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Bhanu Pratap Committee has described the Food Corporation of India as a "luxuriating bureaucracy";

(b) if so, what is Government's reaction to the view that the Food Corporation of India is too large and wasteful;

(c) what steps are proposed to be taken to reduce the high management expenditure; and

(d) whether Government propose to bifurcate the Food Corporation of India?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI NITISH KUMAR: (a) and (b) The Report of the Committee received on 30th July, 1990 is under examination.

(c) The Food Corporation of India has been implementing cost reduction plans since 1986-87 with a view to reducing its operational costs. During the years 1986-87 to 1989-90, the Corporation achieved savings of Rs. 667.65 crores. The FCI has taken number of steps to reduce the Transit and Storage shortages. As a result of these measures, the Transit and Storage shortages. have been reduced from 2.37 per cent in 1982-83 to 1.25 per cent in 1988-89 with reference to purchase + sales of foodgrains.

(d) There is no proposal to bifurcate the Food Corporation of India.

दिल्ली का द्वितीय मास्टर प्लान

2000. **श्री अनन्तराम जायसवाल :** क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली के लिए द्वितीय मास्ट प्लान तैयार हो गया है ; यदि हां, तो इस मास्टर प्लान की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं और इसका कार्यान्वयन कब से शुरू होने की संभावना है ;

(ख) संदर्भाधीन मास्टर प्लान के लिए कुल कितनी धनराशि आवंटित की गयी है और अलग-अलग मदों पर कितनी-कितनी धनराशि खर्च किये जाने की संभावना है; और

(ग) क्या संदर्भाधीन मास्टर प्लान के लिए वित्तीय अनुमान तैयार करते समय, खर्च में होने वाली सामान्य वार्षिक वृद्धि को भी ध्यान में रखा गया है; यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

शहरी विकास मंत्री (श्री मुरासोली मारन) : (क) वर्ष 2001 तक